गाजियाबाद से प्रकाशित

Title Code : UPHIN50626

# चमकता गांव

E-mail : chamaktagaun@gmail.com

(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)

वर्ष : 1 | अंक : 1 (प्रवेशांक) | गाजियाबाद, गुरुवार 6 अप्रैल, 2023 | सम्पादक : महमूद अली | पृष्ठ संख्या : 4 | मूल्य : 2 रुपये


# गांवों को सुंदर, स्वच्छ बनाने की ट्रेनिंग लेंगे 25 हजार ग्राम प्रधान

## योगी सरकार प्रदेश के ग्राम प्रधानों, खंड प्रेरकों और पंचायत सहायकों को करेगी ट्रेंड

**चमकता गांव**

लखनऊ। प्रदेश के गांवों को स्वच्छ, सुंदर बनाने के लिए योगी सरकार अब ग्राम प्रधानों, खंड प्रेरक, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारियों को ट्रेनिंग देगी। इसके लिए प्रदेश भर में 21 ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे, जहां अलग-अलग सत्रों में कुल 83 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार प्रदेश के सभी गांवों में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन को लेकर उचित कदम उठाने और इसके लिए ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने की तैयारी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रदेश के 25 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। हाल ही में ट्रेनिंग देने वाले मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का कार्य पूरा किया गया है।

**43,242 राजस्व गांवों के लिए लक्ष्य निर्धारित**

अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज कुमार के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 25,145 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। इसके अन्तर्गत 43,242 राजस्व गांवों को लेकर लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन गांवों में प्रथम चरण में प्राप्त उपलब्धियों को आगे भी बनाये रखने के साथ ही ठोस एवं तरल कचरे के प्रबन्धन के लिए विभिन्न अभियान चलाए जाएंगे। इसी क्रम में ग्राम प्रधान, खण्ड प्रेरक एवं पंचायत सहायक आदि लगभग 83,000 लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, जो वास्तविक रूप से गांवों में काम करेंगें। इन 83,000 लोगों का प्रशिक्षण लखनऊ स्थित प्रिट कार्यालय के अलावा 20 जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी) पर कराया जाना है।

### 126 मास्टर ट्रेनर देंगे ट्रेनिंग

ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं प्रेरकों आदि को ट्रेनिंग देने के लिए हर प्रशिक्षण केन्द्र पर 6 मास्टर ट्रेनर तैनात किये गये हैं। पूरे प्रदेश के लिए कुल 126 मास्टर ट्रेनर्स तैनात किये गये हैं। हाल ही में पंचायती राज निदेशालय में इन सभी मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। अधिकारी के अनुसार ओडीएफ प्लस मॉडल के लिए बीते वित्तीय वर्ष 2022-23 से इस बार लगभग सात गुना से अधिक गांवों को लक्षित किया गया है। इन गांवों में मुख्य रूप से ठोस और तरल कचरे का प्रबन्धन, प्लास्टिक वेस्ट का प्रबन्धन, फीकल स्लज का प्रबन्धन, गोवर्धन परियोजना के अन्तर्गत बायो गैस यूनिट का निर्माण, व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण जैसी गतिविधियां संचालित की जानी हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत रणनीति बनाकर इसपर कार्य करेंगी, जिससे तय समय में हम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

# खोड़ा मकनपुर वासियों को मिलेगा गंगाजल

## 70 टैंकरों को डॉ. जनरल वीके सिंह ने किया रवाना

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जनरल वीके सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र के नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकनपुर में 70 नग स्टेनलेस स्टील के वाटर टैंकर द्वारा शुद्ध गंगाजल की आपूर्ति के कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह, विधायक साहिबाबाद सुनील शर्मा, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ एवं निवर्तमान पालिकाध्यक्ष रीना भाटी ने फीता काटकर व हरी झंडी दिखाकर गंगाजल से भरे टैंकरों को रवाना किया। कुल 70 टैंकर जिसमें 35 टैंकर 5000 लीटर और 35 टैंकर 3000 लीटर के शामिल हैं। यह पानी के टैंकर प्रतिदिन जल निगम प्लांट सिद्धार्थ विहार से भरे जाएंगे और खोड़ा में प्रतिदिन प्रति घर दो सौ लीटर गंगाजल दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ जनरल वीके सिंह ने कहा कि खोड़ा में पानी की समस्याएं कई बार आ चुकी हैं। इस सम्बंध में हमने कोशिश की कि नोएडा से पानी मिले

लेकिन नहीं मिल सका, अधिकारियों के साथ मीटिंग करके भी कई बातें निकलकर सामने आई। इस सभी की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खोड़ा की यह समस्या समाप्त हो गई है। विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में खोड़ा में व्याप्त समस्याओं के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया गया जिसके फलस्वरूप आज खोड़ा की अपनी अलग पहचान है। उन्होंने बताया कि खोड़ा में आने वाले समय में करोड़ों की लागत से कम्पोजिट विद्यालय बनने जा रहे हैं तथा एक बड़ा अस्पताल बनेगा। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने भी अपने विचार रखे तथा खोड़ा के विकास में प्रशासन का भरपूर सहयोग का वादा किया। कर्यक्रम में निवर्तमान चेयरपर्सन रीना भाटी, नगर आयुक्त नितिन गौड़, एडीएम प्रशासन बिपिन कुमार, एसीएम निखिल चक्रवर्ती, पालिका की अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता, मंडल अध्यक्ष राकेश गुप्ता, खोड़ा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण रावत, खोड़ा के सभी सभासद, नगर निगम एवं नगर पालिका खोड़ा के समस्त अधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# महर्षि कश्यप जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

**चमकता गांव**

गाज़ियाबादः घंटाघर रामलीला मैदान में बुधवार को महर्षि कश्यप जयंती महाकुंभ धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा, केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप , परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, बाबूराम निषाद महापौर आशा शर्मा ,सदर विधायक अतुल गर्ग, मुरादनगर विधायक जीत पाल त्यागी, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, एमएलसी दिनेश गोयल, मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, सत्येंद्र सिसोदिया अध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश ,महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ,आदि की मौजूदगी में किया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा महर्षि कश्यप द्वारा संपूर्ण सृष्टि की सृजना में दिए गए महायोगदान की यशोगाथा हमारे वेदों, पुराणों, स्मृतियों, उपनिषदों एवं अन्य अनेक धार्मिक साहित्यों में भरी पड़ी है, जिसके कारण उन्हें 'सृष्टि के सृजकइ उपाधि से विभूषित किया जाता है। महर्षि कश्यप पिघले हुए सोने के समान तेजवान थे। उनकी जटाएं अग्नि-ज्वालाएं जैसी थीं। महर्षि कश्यप ऋषि-मुनियों में श्रेष्ठ माने जाते थे। महर्षि कश्यप ने अधर्म का पक्ष कभी नहीं लिया, चाहे इसमें उनके पुत्र ही क्यों न शामिल हों। महर्षि कश्यप राग-द्वेष रहित, परोपकारी, चरित्रवान और प्रजापालक थे। वे निर्भीक एवं निलोर्भी थे। कश्यप मुनि निरन्तर धर्मोपदेश करते थे, जिनके कारण उन्हें 'महर्षि जैसी श्रेष्ठतम उपाधि हासिल हुई। समस्त देव, दानव एवं मानव उनकी आज्ञा का अक्षरशः पालन करते थे।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम ने कहा पिछली सरकारों ने नग्न तांडव किया, पिछड़ों के नाम पर पिछड़ों और दलितों को वंचित किया गया सर्वे में पता चला कि आजादी के बाद भी कई जातियों को विकास योजना का लाभ नहीं मिला। हमने समग्र गांव योजना के साथ-साथ विकास कार्य किया। पिछड़े वर्ग के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पिछड़े वर्ग के हकों की रक्षा करना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा है तब तक पिछड़ों का आरक्षण कोई खत्म नहीं कर सकता। भाजपा मजबूती के साथ पिछड़े वर्ग के साथ खड़ी है और ओबीसी को उनका हक दिला कर ही रहेगी। समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की नाकाम कोशिश कर रही है। सपा की पिछड़ी राजनीति एक जाति तक सीमित रही है, उन्हें इस अहम मुद्दे पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। आरोप लगाया कि पिछड़ों का वोट लेकर केवल अपने परिवार का भला किया है। पिछड़ों की कमाई से अपने परिवार को मलाई ही उनकी विचारधारा रही है। इसलिए भाजपा सरकार नें तय किया है कि पिछड़ा वर्ग के अधिकारों को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

महर्षि कश्यप जयंती महाकुंभ को लेकर की गई तैयारियों को देख डिप्टी सीएम ने कहा कि आज गाजियाबाद भगवा रंग में रंग गया है। जिस तरह से गाजियाबाद में महर्षि कश्यप जयंती मनाई जा रही है। इस तरह का भव्य आयोजन पूर्व में कभी देखने को नही मिला। मंच से लेकर पंडाल तक कार्यकताओं और जनता की भीड़ देख मुस्कराते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा इस भव्य कार्यक्रम में मुझ मुख्य अतिथि के रुप में आंमत्रित करने के लिए भाई नरेंद्र कश्यप का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा इस बार लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा को जीत दिलाने की जिम्मेदारी पिछड़ी जातियों के कार्यकताओं और मतदाताओं की है। मौर्य ने कहा कि विपक्षी लोग, पिछड़ों के सबसे बड़े नेता को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हालांकि देश और दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती हैं। उन्होंने पिछड़ों को बधाई दी कि उन्होंने देश के सर्वमान्य नेता को प्रधानमंत्री बनाया और आगे भी बनाएंगे।

# पूर्व आईएएस ने सफाईकर्मियों से कराया अपनी किताब का विमोचन

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। हमेशा गन्दगी की सफाई में लगे एक सफाईकर्मी के हाथों को 'कर कमलों' का स्थान मिलने का देश के इतिहास में एक पहला उदाहरण बुधवार को हिन्दी भवन में देखने को मिला। लीक एवं परम्परा से हटकर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. अजय शंकर पाण्डेय ने अपनी पुस्तक 'गांधीवादी प्रयोगः नरक से नगर की ओर' का सफाईकर्मियों के समाज से ही दो सबसे वयोवृद्ध पुरुष एवं महिला सफाईकर्मियों सोमपाल एवं दयावती देवी के हाथों से सम्पन्न कराया। साथ ही, इस संस्करण से प्राप्त रॉयल्टी सफाई कर्मचारियों के मेधावी बच्चों की शिक्षा के लिए प्रदान करने की घोषणा की है। खचाखच भरे हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात आध्यात्मिक गुरू पवन सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि पुस्तक में नगरीय व्यवस्था के अंधेरे पक्ष को जहां दिखाया गया है। वहीं उसके उज्जवल पक्ष को उद्घाटित करते हुए भविष्य की स्वर्णिम सम्भावनाओं को बखूबी उकेरा गया है। कर्नल टीपी त्यागी ने कहा कि इस प्रकार का पुस्तक विमोचन कार्यक्रम जीवन में पहली बार देखा है कि किसी सफाई कर्मचारी से पुस्तक का विमोचन करवाया जा रहा है। ललित जायसवाल ने बताया कि वे कई विमोचन कार्यक्रम में हिस्सा ले चुके हैं परन्तु आज का पुस्तक विमोचन कार्यक्रम स्वयं में एक अनूठा उदाहरण है। इस अवसर पर अजय शंकर पांडे ने बताया कि यह पुस्तक उत्तर प्रदेश में वर्ष 2004 से 2010 तक के नगरीय निकायों के यथार्थ की तस्वीर है।

## माफिया को छोड़ेंगे नहीं, गरीबों को छेड़ेंगे नहीं : केशव

गाजियाबद। उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से प्रदेश में बदमाशों की कमर तोड़ दी गयी। अपराधियों व अपराध पर नकेल कसने के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। बुधवार को वे कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को भरपूर प्यार देकर दोबारा प्रदेश सरकार बनाई हैं। अब डबल इंजन सरकार का खजाना खुला हुआ हैं। प्रदेश लगातार प्रगति की राह पर है। आमजन के हित में योजनाए चलाई जा रही है। उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति है कि माफिया को छोड़ेंगे नहीं व गरीब को छेड़ेंगे नहीं। माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। भूमाफिया पर कार्यवाही करते हुए जमीने छुड़ाई गयी हैं। उनमें से जो जमीन जिस काम के लिए थी, उसे उसी काम में इस्तेमाल करने के आदेश दिए हैं। या फिर उसका इस्तेमाल इस प्रकार हो, जिससे उसका आमजन को पूरा फायदा हो सके।

# सम्पादकीय

## चालबाज चीन

जब भी किसी वैश्विक मंच पर मौका मिलता या किसी मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत का सिलसिला चलता है, तो चीन, भारत के प्रति अपनी मैत्री भावना का प्रदर्शन ही करता है। मगर फिर मौका मिलते ही वह अपनी विस्तारवादी नीतियों को आगे बढ़ाने में जुट जाता है। इसी का ताजा उदाहरण है कि भारत वाले हिस्से में अरुणाचल की ग्यारह जगहों के नाम उसने बदल दिए हैं। पिछले पांच सालों में यह तीसरी बार है, जब चीन ने अरुणाचल में गांवों, नदियों, दर्रों आदि के नाम बदल कर अपना नया नाम दे दिया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में पंद्रह जगहों के नाम बदल दिए थे। उसके ताजा कदम को भी वहां के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने सख्त एतराज जताया है। मंत्रालय ने कहा है कि नाम बदल देने से हकीकत नहीं बदल जाती। दरअसल, चीन सदा से अरुणाचल को अपना हिस्सा मानता रहा है, इसलिए उसे भारत के नक्शे में दशार्ता ही नहीं। मगर पिछले पांच-सात सालों में जिस तरह भारत के हिस्से वाले विवादित इलाकों पर उसने न सिर्फ अपना हक तेजी से जताना शुरू किया है, बल्कि इसके लिए दोनों देशों की सेनाएं भी आमने-सामने हो जाती रही हैं, उसे लेकर चिंता गहराना स्वाभाविक है। चार साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाएं इसलिए गुत्थमगुत्था हो गई थीं कि चीन ने भारत वाले इलाके में निर्माण गतिविधियां तेज कर दी थी और उसके सैनिक भारतीय इलाके में घुस आए थे। करीब साल भर तक वहां तनाव बना रहा। फिर जब दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटने का फैसला किया, तब भी चीन ने भारत के हिस्से वाले बड़े भूभाग पर अपनी दावेदारी बनाए रखी थी। कुछ सूत्रों के हवाले से यहां तक दावा किया गया कि चीन ने उन इलाकों में अपने गांव बसा लिए थे। उसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से आश्वस्त किया गया कि चीन भारत के भीतर अशांति पैदा नहीं करेगा। मगर फिर भी उसकी हरकतें नहीं रुकीं। करीब ढाई साल पहले उसने अरुणाचल में पंद्रह जगहों के नाम बदल कर मानकीकृत कर दिया था। अब ग्यारह और स्थानों के नाम बदल दिए हैं। हालांकि कोई भी देश किसी जगह का नाम इस तरह अपने नक्शे में नहीं बदल सकता। इसके लिए उसे संयुक्त राष्ट्र में सूचना देनी पड़ती है। फिर उसके प्रतिनिधि उन इलाकों का सर्वेक्षण और दौरा कर उन नामों के बारे में रायशुमारी करते हैं। तब उन जगहों के नाम बदलने की इजाजत दी जाती है। ऐसे में चीन न सिर्फ भारत के खिलाफ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध भी मनमानी कर रहा है। छिपी बात नहीं है कि अरुणाचल वाले इलाके में घुसपैठ करके चीन न सिर्फ अपनी सीमा का विस्तार करना चाहता है, बल्कि इस तरह अपनी सेनाओं की तैनाती कर भारत पर लगातार दबाव बनाए रखना चाहता है। अरुणाचल का इलाका उसके लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, इसलिए वह वहां जब-तब घुसपैठ की कोशिश और भारतीय सेना को छकाने का प्रयास करता रहता है। मगर भारत भी उसकी चालबाजियों से अच्छी तरह वाकिफ है, इसलिए उस इलाके में सख्त चौकसी बना रखी है। इसीलिए चीन किसी भी तरह बल पूर्वक पैठ बनाने में सफल नहीं हो पाता। मगर इस घटना से एक बार फिर भारत सरकार विपक्ष के निशाने पर जरूर आ गई है।

## दूध में जहर

हर तरह की मिलावटों के खिलाफ कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका असर न के बराबर है। खाद्यान्न के अलावा पेय पदार्थों, तेलों, शहद और दूध में मिलावट बहुत बड़े पैमाने पर होती है। नियम के मुताबिक मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए, मगर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जो मिलावटखोरों

के लिए सबक बने। विज्ञान ने जिस दूध को पूर्ण आहार और आयुर्वेद ने अमृत कहा है, उस दूध से मुनाफा कमाने के लालच में मिलावट कर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इसकी वजह कानून का लचीलापन और अकूत मुनाफा कमाने की मानसिकता है। अब मिलावट ऐसी लाइलाज बीमारी बन गई है, जिसे ठीक करना लगभग असंभव मान लिया गया है। इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है। पानी मिलाते-मिलाते दूध में जब जहरीले रसायनों की मिलावट होने लगे, तो इसे सामान्य कह कर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने दिसंबर 2011, दिसंबर 2014 और अगस्त 2016 में केंद्र और राज्य सरकारों को मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सलाह दी थी। गौरतलब है कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित देश के विभिन्न होस्सों में दूध में मिलावट को लेकर 2011, 2016 और 2018 में सर्वेक्षण कराए गए थे। जगजाहिर है कि नेशनल सर्वे रिपोर्ट से यह जाहिर हो चुका है कि दूध में खतरनाक एल्फोटोक्सिन और एंटीबायोटिक्स मिलाया जाता है, जिससे हमारा लीवर हमेशा के लिए खराब हो सकता है या हम कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। आंख, आंत, गुर्दे हमेशा के लिए हमारा साथ छोड़ सकते हैं। मिलावटी दूध पीने से बच्चों की ही नहीं, बल्कि बड़ों की हड्डियां भी कमजोर हो जाती हैं। मिलावट की वजह से श्वेत-क्रांति का कारवां रुकता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि दूध में हो रही बड़े पै माने पर मिलावट और बढ़ते पशु-वध की वजह से श्वेत-क्रांति के कदम डगमगा रहे हैं। यह मिलावट दूध उत्पादक सहकारी संघों और निजी उत्पादकों के अलावा बिक्री करने वाले अनपढ़ दूधिए भी करते हैं। इसलिए दूध में मिलावट के खिलाफ सरकारी और गैरसरकारी अभियान साल के बारहों महीने चलाने की जरूरत महसूस होने लगी है। दूध में मिलावट का मतलब दूध से बनने वाले सभी उत्पादों में मिलावट होना।

# ये मित्रकाल के विरुद्ध, लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की सेशन कोर्ट से कुछ राहत मिल गई है। इसके पूर्व 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने उन्हें 2019 लोकसभा चुनाव के समय हुई एक रैली में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने पर दो वर्ष की सजा सुनाई थी। सेशन कोर्ट से 13 अप्रैल तक के लिए जमानत मिल जाने से उनको साँस मिली है, किंतु अभी इसे राहत कहा नहीं जा सकता। अलबत्ता राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा है, 'ये मित्रकाल के विरुद्ध, लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। इस संघर्ष में, सत्य मेरा अस्त्र है, और सत्य ही मेरा आसरा!' अब 13 अप्रैल को वे फैसले को चुनौती देंगे। राहुल गांधी सोमवार को सूरत पहुँचे थे। कोर्ट द्वारा दो वर्ष की सजा मिलते ही राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता भी खत्म कर दी गई थी। साथ ही उनको तुगलक रोड का बंगला भी खाली करने को कहा गया था। लेकिन सूरत कोर्ट ने उन्हें सिर्फ. निजी पेशी की ही छूट दी है। कोर्ट द्वारा दी गई सजा पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। लेकिन इतनी ही छूट से विपक्ष को नया जीवन जरूर मिला है। संसद के दोनों सदनों में जोरदार हंगामा हुआ और संसद 5 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त बिखरा विपक्ष अब एकजुट होना शुरू हुआ है। पिछले महीने जब ममता बनर्जी ने अखिलेश के साथ मिल कर विरोधी दलों को अपने पाले में लाने के लिए जुटी थीं, तब उनका कहना था कि राहुल को नेतृत्त्व से विपक्ष को नुकसान होगा। लेकिन अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्तालिन ने विपक्षी एकजुटता की पहल की है, उसमें कांग्रेस को आगे रख कर 2024 में उतरने का इशारा है। राहुल गांधी की सजा, लोकसभा से निष्कासन, बंगला खाली करने का आदेश से पब्लिक की सहानुभूति भी

उनको मिल गई है। ऐसे में यह फैसला उनके लिए सकारात्मक रहेगा। पर अभी चुनाव दूर है। हालाँकि भाजपा ने राहुल गांधी को एक पिछड़ी जाति का अपमान करने के लिए घेरे में ले लिया है। और इसके लिए वह यह भी आरोप लगाया है, कि राहुल गांधी येन-केन- प्रकारेण न्यायपालिका पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने ब्रिटेन में जा कर कैम्ब्रिज में यह कहा, कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है, इसे बचाया जाना चाहिए। निश्चय ही इसके चलते आम लोगों में राहुल की छवि को धक्का लगा था और माना जाने लगा था कि 2024 की लड़ाई में राहुल गांधी फिसड्डी साबित हो रहे हैं। मगर उखट कोर्ट के फैसले के बाद उनको सरकार द्वारा प्रताड़ित माना जाने लगा था। इसीलिए राहुल गांधी आज सूरत की ज़िला अदालत में जब गए, तब कांग्रेस पूरी तरह शक्ति प्रदर्शन पर उतारू थे। लेकिन इस भड़-भड़ में यह नहीं देखा गया कि राहुल गांधी को सजामुक्त नहीं किया गया है। वे अभी भी सजा के दायरे में हैं। अभी कल रविवार को विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने बंगलूरू में राहुल गांधी के मामले में अमेरिका और जर्मनी द्वारा दखल किए जाने पर पूरे पश्चिमी जगत को धोया था। ये देश राहुल गांधी के मामले में सीधे-सीधे भारत की न्यायपालिका को कठघरे में खड़ा कर रहे थे। जर्मनी का तो बयान आते ही कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने जर्मनी को धन्यवाद दे दिया। तत्काल कानून मंत्री किरण रिजुजू ने इस पर कड़ी आपत्ति की कि किसी भी देश को यह अधिकार नहीं है, कि वह भारत की न्यायपालिका पर सवाल उठाये। विदेश मंत्री इसी पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा, पश्चिमी देशों को दूसरे के मामलों में दखल देने की आदत है। लेकिन अब ये देश याद रखें, कि वे यदि ऐसा करेंगे तो दूसरे देश भी उनके यहाँ के अंदरूनी मामलों पर भी सवाल खड़े करेंगे। माना जा रहा है, कि जर्मनी को काफी सख़्त जवाब गया है। पिछले एक वर्ष से जर्मनी और भारत के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं। अमेरिका भी भारत से इसलिए चिढ़ गया है क्योंकि भारत ने रूस के संदर्भ में उसके प्रतिबंधों को नहीं माना। ये सब बातें पश्चिम को चिढ़ाने के लिए काफी हैं। वे राहुल गांधी को ढाल बनाकर भारत के अंदरूनी मामलों में दखल कर रहे हैं। हालाँकि बाद में कांग्रेस ने दिग्विजय की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था। लेकिन कुछ सवाल उठेंगे। मसलन सूरत की कोर्ट के फैसले को चुनौती देने में उन्होंने इतना अधिक समय लिया। ऐसे में यह शंका भी है, कि क्या राहुल गांधी पश्चिम की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसके पहले राहुल गांधी ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में भाषण देते समय भारत में आंतरिक लोकतंत्र के खतरे को बचाने की गुहार भी की थी। योरोपीय देशों के लिए इस बहाने भारत के आंतरिक मामलों में बोलने का अवसर मिल गया। सवाल यह उठता है, कि जर्मनी भारत को लेकर इतना आक्रामक क्यों है? और क्यों अमेरिका भारत के मामलों में बोल रहा है? दरअसल जर्मनी खुद आजकल एक ऐसे चक्रव्यूह में फँसा है, जिससे निकलना उसके लिए मुश्किल है। जर्मनी के हैम्बर्ग बंदरगाह पर पूरी तरह चीन का कब्जा है। उसका सारा उद्योग जगत चीन की हां में हां मिलाता है। क्योंकि चीन न सिर्फ. उसको मार्केट दे रहा है, बल्कि ग्रीस समेत कई योरोपीय देशों में निवेश कर रहा है। इसलिए यूरो अभी धड़ाम नहीं हो रहा। यूँ भी जर्मनी ही पूरे योरोप में आजकल उद्योगों के क्षेत्र में अव्वल है। किंतु स्थिति यह है, कि जो योरोपीय देश लोकतंत्र, मानवाधिकार को लेकर सबसे आगे रहते थे, वे चीन में मानवाधिकार के उल्लंघन के खिलाफ मुँह तक नहीं खोलते। साल 2005 में एंजेला मर्केल जर्मनी की चांसलर बनी थीं, तब अगले ही वर्ष वे चीन गई थीं। क्योंकि उनके समक्ष अपने देश के उद्योगों के उत्पाद की खपत के लिए मार्केट चाहिए था और निवेश की भी जरूरत थी। पर तब वे चीन में मानवाधिकार की वकालत भी कर आई थीं और कुछ महीनों बाद दलाई लामा को अपने यहाँ बुलवाया भी था। चीन भड़क गया और बातचीत बंद कर दी। इसके बाद 2008 की मंदी से मर्केल घबरा गईं और चीन के समक्ष समर्पण कर दिया। मंदी के समय जर्मनी ने अपनी अर्थ व्यवस्था को तो बचा लिया परंतु चीन द्वारा हैम्बर्ग पोर्ट पर दखल को भी स्वीकार कर लिया। नतीजा यह हुआ कि जो जर्मनी मोटर-कार उद्योग में अव्वल था, उस पर चीन में बनी कारें भारी पड़ने लगीं। मर्केल 2021 तक जर्मनी की चांसलर रहीं पर इस बीच चीन ने जर्मनी के हर क्षेत्र में अपने सरकारी नियंत्रण वाले उद्योगों के उत्पाद से पाट दिया। जर्मनी के निजी उद्योगपति चीन से होड़ नहीं ले पाए और योरोप का बड़ा हिस्सा आज चीन के उत्पादों से भरा है। इसके बाद दो वर्ष के कोरोना काल में चीन ने अधिकांश योरोपीय देशों को अपनी दबिश में ले लिया। उधर अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन रूसी राष्ट्रपति पुतिन के नाम से बिदकते हैं। इसके पीछे उनकी खुन्नस ट्रम्प को लेकर है। उन्हें भय है, कि पुतिन अमेरिका के अंदर अपनी एजेंसियों की मार्फत ट्रम्प को लाना चाहते हैं।

बाइडेन को मोदी से भी चिढ़ है, क्योंकि एक तो उनको इस बात से नाराजगी है, कि मोदी ने रूस से व्यापार बंद नहीं किया, दूसरे मोदी की भी सहानुभूति ट्रम्प से रही है। अब तो ट्रम्प को खैर भ्रष्टाचार में फाँस लिया गया है। सच तो यह है, कि लड़ाई 2024 की है। अमेरिका के लिए भी और भारत के लिए भी। इसीलिए अमेरिका ने 2021 से भारत में कोई राजदूत तक नहीं नियुक्त किया। आज भारत योरोप की पश्चिमी जगत की एकध्रुवीय शक्ति को मानने को राजी नहीं है, दूसरे वह चीन की ताकत को भी नामंजूर करता है। इसलिए ये देश अब भारत को कठघरे में लाना चाहते हैं। चीन चाहता है, कि पूरी दुनिया में यह संदेश जाए कि भारत में तानाशाही है और अमेरिका की इच्छा है, कि भारत में लोकतंत्र के सभी स्तंभों को सरकार के इशारे पर चलने वाला साबित किया जाए। विधायिका तो जवाब दे सकती है, इसलिए निशाने पर न्यायपालिका है।

-साभार

# लोकसभा ने 35 प्रतिशत और राज्यसभा ने 24 प्रतिशत कामकाज किया

**वैसे भी अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की छोटी-बड़ी उम्मीदों और सरकारी खजाने से अपार धन की बबार्दी की ही नहीं है, बात अब यह है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी?**

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा के कामकाज का प्रतिशत 35 प्रतिशत से कम और राज्यसभा के कामकाज का प्रतिशत 24 रहा। इससे आप ही अंदाजा लगाइये कि इस प्रतिशत को देखते हुए आप संसद के कामकाज को कैसे आंकेंगे? 35 और 24 प्रतिशत अंक वाले तो फेल माने जाते हैं इसलिए सवाल उठता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दशार्ना चाहते हैं?विपक्ष लोकतंत्र बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता।

लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने बार-बार बैठकें कर प्रयास किये कि सदन चले और जन हित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो लेकिन सब प्रयास विफल हो गये। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही रोजाना सुबह आरंभ होते ही जिस तरह हंगामे के चलते मात्र दो से तीन मिनट के अंदर ही स्थगित होती रही उसने हमारी संसदीय प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिये हैं। जो हंगामे की नीयत से आते हैं वो सफल हो जाते हैं जो अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाने की तैयारी करके आते हैं वो निराश होकर लौट जाते हैं।

वैसे भी अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की छोटी-बड़ी उम्मीदों और सरकारी खजाने से अपार धन की बबार्दी की ही नहीं है, बात अब यह है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये?

वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? जरा इस बजट सत्र की ही बात कर लें तो लोकसभा में 133.6 घंटे की निर्धारित अवधि के मुकाबले 45 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ जबकि राज्यसभा में 130 घंटे की निर्धारित अवधि के मुकाबले 31 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ। इसका अर्थ है कि लोकसभा में निर्धारित समय के 34.28 प्रतिशत समय में ही कामकाज हुआ वहीं राज्यसभा में 24 प्रतिशत समय में कामकाज हुआ। राज्यसभा में हंगामे के कारण 103 घंटे 30 मिनट का कामकाज बाधित रहा। वाकई यह स्थिति चिंताजनक है। जरा सोचिये...आप और हम या फिर हमारे जैसा कोई भी आम आदमी यदि एक दिन कार्यालय नहीं जाये या काम नहीं करे तो सैलरी कट जायेगी या कार्रवाई हो जायेगी लेकिन जनप्रतिनिधि यदि सत्र के दौरान कोई काम नहीं करते तो भी उनको वित्तीय, आवास या अन्य लाभ मिलते रहते हैं।

# धूमिल होती देश की छवि

कहते हैं कि भारत पर्व-त्योहार उत्सव को देश है। हर दिन किसी ना किसी धर्म-पंथविष्वास या लोक के दर्जनों पर्व होते हैं। धर्म-आस्था कभी शक्ति प्रदर्शन या अन्य मान्यता से बेहतर बताने का माध्यम रहा नहीं। इस बार रामनवमी पर देया के विभिन्न हिस्सों में जिस तरह बवाल हुए, वह दुनिया में भारत की उत्सवधर्मी छबि पर विपरीत असर डालते हैं। दुर्भाग्य है कि सोशल मीडिया टुकड़ों में वीडियो क्लिप से भरा हुआ है और हर पक्ष केवल दूसरे का दोष बता कर सांप्रदायिकता को गहरा कर रहा है। य तो तय है कि जहां भी दंगे हुए, वहां कुछ राजनेता थे और हर जगह प्रशासन निकम्मा साबित हुआ। ना खुफिया पुलिस ने काम किया, ना ही सुरक्षा में तैनात बलों ने तत्परता दिखाई। कहना गलत नहीं होगा कि बहुत सी जगह पुलिस बल खुद सांप्रदायिक हो गए है और वे कई जगह दंगाईयों को सहयोग करते दिखे। यह फिलहाल बिहार-झारखंड या बंगाल के दंगों में ही नही, बल्कि तीन साल पहले के दिल्ली दंगों में भी दिखा था।

जरा गौर करें रामनवमी की घटनाएं महज 24 घंटों के भीतर की हैं, ये घटनाएं अधिकांश उन इलाकों में हुई जहां सांप्रदायिक तनाव की घटनाए या तो बहुत कम होती हैं या फिर कई दशकों से वहां ऐसा हुआ नहीं था, ये सभी घटनाएं ऐसी हरकतों से शुरू हुई हैं जिनका उल्लेख आजादी के ठीक पहले सा उसके बाद सन 1955 तक तक मिलता रहा है। एक वर्ग जुलुस निकालता है, हथियार लहराते हुए तेज आवाज में संगीत और मस्जिद आते ही उसके सामने अतिरिक्त शौर प्रदर्शन। फिर कहीं से पत्थर चलना और फिर आगजनी। न पुलिस और न ही समाज ने जुलुस निकालने के रास्तों पर संवेदनशीलता दिखाई, न ही गाने या संगीत या नारों पर प्रशासन ने समय रहते पाबंदी लगाईं, न हे ऐसे अवसरों से पहले जुलुस मार्ग के घरों पर पत्थर आदि की चेकिंग का विचार आया। तनिक ध्यान से देखें तो हाथ में कतार या तलवार लहरा रहे या पत्थर उछल रहे लोग निम्न आर्थिक स्थित से हैं, बहुत से नशे में भी हैं और उनके लिए धर्म एक अधिनायकवादी व्यवस्था है जिसमे अन्य किसी को कुचल देना है। क्या यह असहिष्णुता है, धार्मिकता है, कट्टरता है या आपस में कम होता भरोसा या फिर कोई बहुत बडी साजिश? यह बेहद गंभीर मसला है और इसका विपरीत असर विकास पर भी पड़ता है। आज जब आटेदा ल के भाव लोगों का दिमाग घुमाए हुए हैं, बेराजगारों की कतार बढ़ती जा रही हैं।

## अन्य समाचार

# मुलायम सिंह यादव को मिला मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत पद्म विभूषण दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा यह सम्मान नेता जी के बेटे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ग्रहण किया। राष्ट्रपति भवन में सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। बताया जा रहा है कि अखिलेश परिवार के साथ दिल्ली पहुंचे हैं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह आदि भी मौजूद रहे। बता दें कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या को पद्म पुस्कार विजेताओं को नामों की घोषणा हुई थी। उनमें से एक नाम उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम दिवंगत मुलायम सिंह यादव का भी था। वहीं पद्म पुरस्कारों में नेता जी के नाम की घोषणा का जहां समाजवादी पार्टी ने स्वागत किया था वहीं उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग भी उठाई थी। सपा नेताओं ने कहा था कि मुलायम का कद इससे बड़ा है और उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए।

# दिल्ली सरकार ने कोरोना योद्धा के परिजन को दी सम्मान राशि

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बुधवार को कोविड-19 की ड्यूटी के दौरान कोरोना की चपेट में आकर अपनी जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें दिल्ली सरकार की तरफ से एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि का चेक सौंपा।

इस दौरान समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बताया कि टीजीटी राजकीय बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन-3 में सर्विस के दौरान शिक्षक हेमंत कुमार कोरोना से संक्रमित हो गए थे और अस्पताल में कोरोना से जंग लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि भले ही अनुग्रह राशि परिवारों को हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर पायेगी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि परिजनों को इस आर्थिक मदद से अपना भविष्य संवारने एवं जीवन यापन में थोड़ी सहायता जरूर मिलेगी।

# अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत पर हंगामा

गाजियाबाद। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत पर हंगामा खड़ा हो गया। मृतक के परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने और विरोध करने पर अस्पताल स्टाफ के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। उधर मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे लोगों को समझा- बुझाकर शांत किया। मृतक के पिता की तरफ से शालीमार गार्डन थाने में तहरीर दी गई है। उधर, सीएमओ ने अस्पताल को फिलहाल सील करा दिया है। पप्पू कॉलोनी में 30 वर्षीय रोहित कुमार परिवार के साथ रहता था और प्राइवेट नौकरी करता था। वह शादीशुदा था और एक चार साल का बेटा है। रोहित कुमार के पिता लीलू पार्चा ने बताया कि उनके बेटे के पेट में पथरी का दर्द उठा था। जिसके बाद वह उसे लेकर पप्पू कॉलोनी की गली नंबर-6 में झोलाछाप डॉक्टर मुकेश के यहां पहुंचे। 3 दिन इलाज करने के बाद जब कोई आराम नहीं हुआ तो डॉ. मुकेश का बेटा कमल डॉक्टर के कहने पर रोहित कुमार को उनके साथ स्पर्श अस्पताल में लेकर पहुंचा। जहां 15 दिन इलाज चला और इसके बाद पित्त की थैली में पथरी का ऑपरेशन किया गया तथा इसके 10 दिन बाद गुर्दे का ऑपरेशन किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को बेटे रोहित कुमार की मौत हो गई और डॉक्टरों ने मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे उसे मृत घोषित कर दिया।

# नोएडा में कोरोना विस्फोट, 66 नए मरीज मिले

नोएडा। शहर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विगत 24 घंटे में यहां कोरोना का विस्फोट हुआ है। 66 नए मामले सामने आए हैं। 18 मरीज ठीक हुए हैं। सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर अब 185 पहुंच गई है। इसमें से अधिकांश मरीजों का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। जरुरत पड़ने पर एकीकृत कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 18004192211 पर कॉल किया जा सकता है। बता दें कि नोएडा में तेजी से बढ़ रहे कोविड केस के ओमीक्रान का सब वैरियंट एक्सबीबी.1 जिम्मेदार है। हालिया मामलों के जीनोम एनालिसिस से यह बात सामने आई है। नोएडा में अधिकांश मरीजों में ये सब वैरियंट ही है। इसके अलावा एक्सबीबी.1.5, एक्सबीबी.2.3 सब वैरियंट के मरीज भी है। इ.1 तेजी से संक्रमण को फैलाता है। सीएमओ डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा ने लोगों से अपील की वे कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। साथ ही भीड़भाड़ वाले एरिया में न जाएं। वे मास्क पहले ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

# लाज़िम है कहानी की एक लहराती फसल हम भी देखेंगे : अब्दुल बिस्मिल्लाह

**चमकता गांव**

गाज़ियाबाद। कथा रंग द्वारा आयोजित ₹कथा संवाद₹ में सुनाई गई कहानियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुप्रसिद्ध लेखक अब्दुल बिस्मिल्लाह ने कहा कि यह आयोजन भविष्य के रचनाकारों के लिए जमीन तैयार कर रहा है। एक मशीनी शहर में कथा-कहानी का पूरा खेत तैयार हो गया है। जो भविष्य के प्रति हमें आश्वस्त करता है। लाज़िम है कहानी की एक लहराती फसल हम भी देखेंगे।

उन्होंने कहा कि कहानी में पात्र ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। लिहाजा वह लाजवाब होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में उन्हें अच्छे-बुरे दोनों पात्र मिले। लेकिन लाजवाब व दिलचस्प पात्र बनारस में ही मिले। उन्होंने कहा कि पात्र गढ़ने के मामले में अमरकांत और चेखव का कोई सानी नहीं है।

होटल रेडबरी में आयोजित ₹कथा संवाद₹ में बतौर अध्यक्ष श्री बिस्मिल्लाह ने कहा कि आज के दौर की अधिकांश कहानियां सुशासन की मिसाल के तौर पर पेश की जा रही हैं। लेखक को रचना में यथार्थ से समझौता नहीं करना चाहिए। लेखक को स्वयं को इन खतरों से बचाना चाहिए, क्योंकि आप से ही आने वाली पीढ़ी सबक लेती है। उन्होंने कहा कि आज कहानी की आलोचना नहीं होती। उन्होंने नए लेखों का आह्वान करते हुए कहा कि नए रचनाकारों को संभावनाओं को खुद पहचानना होगा। मर्म तलाशना होगा। मर्म से ही कहानी बनती है। उन्होंने कहा कि कहानी किसी तय मंजिल का सफर नहीं है। सफर का महत्व भी तब है जब हम मंजिल तक भटक कर पहुंचते हैं। कहानी भी अपनी तरह से ट्रैवलिंग करती है। सीधी रेखा कहानी नहीं होती।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विजयश्री तनवीर ने कहा कि इस कार्यक्रम में वह पहले भी शिरकत कर चुकी हैं। उम्रदराज नवांकुर रचनाकारों के साथ संवाद की यह परंपरा नए सीखने वालों के लिए संजीवनी से कम नहीं है। संयोजक सुभाष चंद्र ने कहा कि नए कथाकारों के साथ उनकी कहानियों पर विमर्श का यह प्रयोग उनके लेखन को मांजने के साथ उन्हें गढ़ने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि नए लेखकों को धीरज और धैर्य का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आयोजक आलोक यात्री ने कहा कि अधिकांश रचनाकार कहानी को जल्द से जल्द समाप्त करने की आतुरता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि कहानी जहां तक विस्तार मांगती है वहां तक उसके साथ चलना चाहिए। ₹कथा संवाद₹ का शुभारंभ नेहा वैद की पशु प्रेम पर आधारित कहानी ₹गुड्डू और चितकबरी₹ से हुआ। सुभाष अखिल ने कहा कि आज जीवजगत की कहानियां कम ही? देखने को मिल रही हैं। उन्होंने इस तरह की रचनाओं को भी पुरस्कृत करने की पैरवी की। तेजवीर सिंह ने कहा कि सोसायटी में पशु प्रेमियों और विपक्षियों में कुत्तों को लेकर एक तरह से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नेहा वैद की कहानी का फलक बड़ा है लिहाजा इस कहानी पर नए सिरे से काम किया जाना चाहिए।

# चुनाव को लेकर रालोद की बैठक

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल केंद्रीय चुनाव समिति की एक अहम बैठक आहूत की गई इस चुनाव समिति को राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष/ सांसद चौधरी जयंत सिंह जी के द्वारा बनाया गया है इस केंद्रीय चुनाव समिति के द्वारा मीटिंग ली गई।(नगर पालिका /चेयरमैन और पार्षद) का चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों के इन सभी आवेदनों केंद्रीय चुनाव समिति ने प्राप्त किया अब यह केंद्रीय चुनाव समिति अपनी रिपोर्ट लगाकर मंथन करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह जी को हैंडोवर कर देगी उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जी गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठेंगे गठबंधन के बीच में जो भी निर्णय लिया जाएगा वह जिलाबा महानगरों को बता दिया जाएगा की कौन से क्षेत्र में कौन सा प्रत्याशी राष्ट्रीय लोकदल का चुनाव लड़ेगा चाहे वह पार्षद का हो चेयरमैन का हो नगरपालिका का हो। इसी प्रतिक्रिया के तहत गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष के द्वारा जिले की चुनाव समिति बनाई जिला चुनाव समिति ने आए हुए सभी बायोडाटा को केंद्रीय कमेटी को सौंप दिया है।

# भाकियू कार्यकर्ताओं का मोदीनगर तहसील में किया जोरदार प्रदर्शन

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। बुजुर्ग किसान की मौत के मामले में भाकियू कार्यकताओं ने सोमवार को भी मोदीनगर तहसील पर जमकर हंगामा कर धरना दिया। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा व दोषी अधिकारियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की गई। उपजिलाधिकारी ने निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया है। वहीं जिलाधिकारी ने एडीएम प्रशासन के नेतृत्व में जांच टीम का गठन कर दिया है। भारतीय किसान यूनियन के एनसीआर अध्यक्ष प्रवीण मलिक व उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्यागी के नेतृत्व में सैकड़ों किसान एकत्र होकर दोपहर 11 बजे मोदीनगर तहसील पहुंचे। भाकियू कार्यकताओं ने तहसील पहुंचते ही हंगामा करना शुरू कर दिया। मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए।

एनसीआर अध्यक्ष प्रवीण मलिक ने कहा कि तहसील अधिकारियों की लापरवाही के चलते एक किसान की जान चली गई। मृतक किसान को इंसाफ तभी मिलेगा ,जब तहसील प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होगी। सतेन्द्र त्यागी ने कहा कि किसान तीन साल से अपनी जमीन की पैमाइश कराने के लिए तहसील के चक्कर काट रहा था। लेकिन इंसाफ के स्थान पर उन्हें मौत मिली। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी शुभांगी शुक्ला को दिया। ज्ञापन में उन्होंने मृतक किसान के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा, परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी व तहसील प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। उप जिलाधिकारी शुभांगी शुक्ला ने भाकियू कार्यकताओं को निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया है। इस दौरान विनीत त्यागी, अरुण कसाना, मनोज त्यागी, कामिल चौधरी, सुधीर त्यागी डिडौली, दीपक त्यागी सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

# मनोज तिवारी बहुत ही सहज, सरल व्यक्ति : बी.के. शर्मा हनुमान

**चमकता गांव**

दिल्ली। दिल्ली अखिल भारत हिंदू महासभा केंद्रीय कार्यालय पर दिल्ली के सांसद बीजेपी के वरिष्ठ नेता श्री मनोज तिवारी जी अखिल भारत हिंदू महासभा/संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज से आशीर्वाद लिया , इस अवसर पर महासभा की तरफ से श्री मनोज तिवारी जी को फूल मालाओं के साथ व मीनाक्षी मंदिर का पटका तथा भगवा पगड़ी तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया, स्वामी चक्रपाणि महाराज और सांसद मनोज तिवारी जी ने राष्ट्र रक्षा, धर्म रक्षा, गौ रक्षा पर विशेष चर्चा किया।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता सांसद मनोज तिवारी जी ने प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी और देश के गृह मंत्री अमित शाह जी द्वारा देश में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्य की चर्चा की जिस पर स्वामी जी ने भी समर्थन किया स्वामी चक्रपाणि महाराज ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने को सरकार का ऐतिहासिक कदम बताया वहीं सांसद मनोज तिवारी जी ने स्वामी चक्रपाणि महाराज को माननीय सुप्रीम कोर्ट में एक पक्षकार के रूप में श्री राम मंदिर की सफल लड़ाई जीतने और हिंदू समाज के लिए लड़ रहे लड़ाई और सनातन रक्षा संतो की रक्षा गो की रक्षा पर किए जा रहे स्वामी जी के प्रयास की प्रशंसा किया, अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी के बारे में कहा कि मनोज तिवारी बहुत ही सरल सहज व्यक्ति हैं जो राजनीति के माध्यम से सेवा का जो कार्य कर रहे हैं वह बहुत ही अद्वितीय है स्वामी जी बीजेपी नेता सांसद मनोज तिवारी जी को आशीर्वाद देते हुए ,भविष्य का दिल्ली के मुख्यमंत्री बताया, इस अवसर पर महेश कुमार शर्मा, डॉ एके जैन,बालकिशन शर्मा आदि दर्जनों लोग हिंदू महासभा की तरफ से तिवारी जी का मीनाक्षी मंदिर का पटका साल और पगड़ी पहना कर भव्य स्वागत किया और स्वामी चक्रपाणि महाराज ने सांसद श्री मनोज तिवारी जी को स्वास्थ्य,दीर्घायु व राजनीति के माध्यम से पूरे देश की सेवा करने का आशीर्वाद दिया।

# जीपीए के बुक एक्सचेंज मेले के तीसरे चरण का डॉ. पवन सिन्हा गुरुजी द्वारा हुआ शुभारम्भ

**चमकता गांव**

गाज़ियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के छठे बुक एक्सचेंज मेले का तीसरा चरण था जिसका आयोजन यॉर्क ग्राउंड, राधा कुंज में किया गया बुक एक्सचेंज मेले के तीसरे चरण का शुभारम्भ राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि मानकर देश हित मे कार्य करने वाले डॉ पवन सिन्हा गरुजी के कर कमलों द्वारा किया गया।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन और सहयोगी संस्था साया फाउंडेशन एवम यार्क आगेर्नाईजेशन ने सयुक्त रूप से डॉ पवन सिन्हा ₹गरुजी₹ जी का भव्य स्वागत किया। गुरुजी द्वारा ने मेले में आये अभिभावको को स्वयं बुक एक्सचेंज करा शुभाशीष दिया साथ ही गुरुजी ने अपने संबोधन में गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की बुक एक्सचेंज मेले की पहल की भरपूर सराहना करते हुये इस अनूठी पहल को राष्ट्र हित मे बताया और कहा कि इस पहल से देश मे पेड़ो को कटने से बचाने और पर्यावरण को सुरक्षित करने में नई क्रांति का आगाज जीपीए द्वारा किया जा रहा ये अपने आप मे बड़ी बात की संस्था लगातार 6 वर्ष से बुक एक्सचेंज मेले का आयोजन कर हजारों अभिभावको को आर्थिक लाभ पहुँचा कर पर्यावरण के प्रति सजग कर रही है हमारा हर सम्भव सहयोग , शुभकामनाएं और आशीर्वाद गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की टीम के साथ है। मेले के शुभारम्भ में उनके साथ उनके आश्रम पावन चिंतन धारा के युवा प्रकल्प युवा अभ्युदय मिशन के समन्वयक गर्वित विज एवं अन्य विद्यार्थियों ने भी मेले में आकर इसके द्वारा हजारों विद्यार्थियों को पुस्तक एक्सचेंज के माध्यम से मिलने वाले लाभ के बारे में जाना। बुक एक्सचेंज मेले में 1000 से भी ज्यादा अभिभावकों की किताब एक्सचेंज करा दी गई और लगातार अभिभावको का आना जारी है उम्मीद है शाम 6 बजे तक यह संख्या 1500 के पार हो जाएगी । गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रवक्ता विनय कक्कड़, लीगल एडवाइजर पारस चौधरी ने बुक एक्सचेंज मेले में आये सभी अभिभावको का और इस बुक एक्सचेंज मेले में सहयोग करने के लिए यॉर्क आगेर्नाईजेशन एवम साया फाउंडेशन का धन्यवाद किया है जीपीए के डेल्टा कालोनी के प्रभारी सतीश कुमार ने अशाश्वत किया है कि अगले वर्ष बुक एक्सचेंज मेले का आयोजन इससे भी बड़े स्तर पर किया जाएगा अगले वर्ष हमारा लक्ष्य इस मुहिम को देश व्यापी बनाने का रहेगा । अध्यक्ष सीमा त्यागी और सचिव अनिल सिंह ने शिक्षा के मुद्दे को निरंतर उठाकर समाज के बीच ले जाने के लिए ह्रदय से धन्यवाद किया है।

# चिन्मय शुक्ला ने मिस्टर एमिटी का खिताब जीता

गाजियाबाद। एमिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित यूथ बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में राजनगर के चिन्मय शुक्ला ने पहला स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। उनकी इस सफलता पर जिले में खुशी का माहौल है। एक अप्रैल को एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में यूथ बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बॉडी बिल्डिंग के आठ इवेंट्स कराए गए। इसमें शहर के चिन्मय ने 68 किलोभार वर्ग में सभी प्रतिद्वंदियों को हराकर मिस्टर एमिटी-2023 का खिताब अपने नाम किया। चिन्मय अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और कोच रूबिन श्रीवास्तव को देते हैं। पिता विजेंद्र कुमार शुक्ला और माता अर्चना शुक्ला ने बताया कि बेटा राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कई पदक जीतकर प्रदेश और जिले का नाम रोशन कर चुका है।

# 15 प्रतिशत फीस वापसी के लिए जीपीए ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने जिले के निजी स्कूलों द्वारा न्यायालय एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना काल में शिक्षा सत्र 2020-21 की 15 फीसदी फीस वापसी के आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई के लिये जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी और अनिल सिंह ने बताया कि 6 जनवरी 2023 को इलाहाबाद हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस राजेश बिंदल एवम जस्टिस जे. जे मुनीर की डिवीजन बेंच द्वारा प्रदेश के स्कूलो को कोरोना काल में शिक्षा सत्र 2020-21 की 15 % फीस वापसी का आदेश पारित किया है साथ ही इस आदेश को लागू कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिनाँक 16 फरवरी 2023 को प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को अभिभावको की 15 फीसदी फीस वापस कराने के आदेश जारी किये थे। पेरेंट्स द्वारा स्कूलों को फीस वापसी के लिए प्रार्थना पत्र भेजने के साथ ही मौखिक रूप से भी फीस वापसी के लिए अनुरोध किया जा रहा है जिस पर अधिकतर निजी स्कूलों का कहना है कि उनके पास ना तो कोर्ट से , ना सरकार से और ना ही शिक्षा अधिकारी से फीस वापसी का आदेश आया है जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा भी सभी स्कूलों को 17 फरवरी 2023 को आदेश जारी कर दिया गया है। जिले के निजी स्कूल ना तो कोर्ट का और ना ही उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश मानने के लिए तैयार हैं, इसलिये गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने जिलाअधिकारी जो जिला स्तरीय शुल्क नियामक समिति ( डीएफरसी ) के अध्यक्ष हैं से अनुरोध किया है कि अभिभावकों के हित में न्यायालय एवं प्रदेश सरकार द्वारा दिये गये इस अहम निर्णय का स्वतः संज्ञान लेते हुए जिले के सभी निजी स्कूलों की मीटिंग आयोजित कर फीस वापसी का रिकॉर्ड मांगा जाये और फीस वापस नहीं करने वाले स्कूलों पर कोर्ट और प्रदेश सरकार के आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्यवाई सुनिश्चित की जाये । इस मौके पर अनिल सिंह, नरेश कुमार, अधिवक्ता सुमित त्यागी, संजय शर्मा, कौशलेंद्र सिंह, शादाब चौधरी, धर्मेंद्र यादव, विवेक त्यागी आदि मौजूद रहे।

# सुदेश श्रीवास्तव ने एडीएम सिटी बनने पर गंभीर सिंह को दी बधाई

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। सिटी मजिस्ट्रेट से पदोन्नत होकर एडीएम सिटी बनाए गए गंभीर सिंह को बधाई देने वालों का तांता लगा है। उन्हें लगातार बधाई देने लोग उनके आवास पहुंच रहे हैं। गंभीर सिंह ने सिटी मजिस्ट्रेट रहते कई सराहनीय कार्य किए हैं।रेडीसन ग्रुप के साहिबाबाद स्थित कंट्रीइन के वाइस प्रेसीडेंट सुदेश कुमार श्रीवास्तव भी एडीएम सिटी बनने पर गंभीर सिंह को बधाई देने उनके आवास पर पहुंचे। सुदेश श्रीवास्तव ने गंभीर सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना की। एडीएम सिटी गंभीर सिंह ने भी सुदेश श्रीवास्तव का आभाव व्यक्त किया। बता दें कि सुदेश श्रीवास्तव बेहद ही मिलनसार व्यक्ति हैं और पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अपनी अच्छी छवि के लिए वे पहचाने जाते हैं। गत वर्ष उनके पुत्र ने सेक्टर 10 में दुग्ध उत्पाद की शॉप खोली थी जिसका उद्घाटन एसडीएम खालिद अंजुम ने किया था।

# रोटरी क्लब चिरंजीव विहार ने लगाया रक्तदान शिविर व नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। रोटरी क्लब आफ चिरंजीव विहार द्वारा राजनगर एक्सटेंशन स्थित देविका स्काइपर्स सोसायटी में रक्तदान शिविर एवं मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन रोटरी क्लब आफ चिरंजीव विहार द्वारा स्थानीय रेजीडेंट्स के सहयोग से किया गया। कार्य क्रम के दौरान 25 यूनिट रक्त एकत्रित कर रोटरी क्लब आफ चिरंजीव विहार ने इस कार्यकाल का 87 यूनिट का लक्ष्य पूरा किया। रक्त दान में सहयोग वरदान अस्पताल ने किया। कार्यक्रम में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं जैसे कोलोस्ट्रॉल जांच, रक्तचाप, शुगर, बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट, आंखों की जांच आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। सोसायटी के सभी निवासियों ने इसमें अपनी विभिन्न जांच कराई। 140 लोगों की मुफ्त बोन मिनरल डेनसिटी टेस्ट व 120 लोगों के मुफ्त कोलोस्ट्रोल टेस्ट किए गए। मैक्स अस्पताल द्वारा सभी जांच के लिए विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का

आयोजन आरूषि पाल व ध्रुव खुराना ने अपने माता पिता के सहयोग से किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आरुषि पाल,अर्णव पाल व उनके माता पिता राजीव पाल व ऋतु पाल, शिशु पाल सिंह चौहान, ओम प्रकाश, खुशबू गुप्ता, अजय सैनी, जितेन्द्र तोमर व प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं रोटरी क्लब आफ चिरंजीव विहार से क्लब अध्यक्ष स्मृति खुराना एवं उनके पति अतुल खुराना ने आरुषि पाल व ध्रुव खुराना के सहयोग से कार्यक्रम को आयोजित किया। कार्यक्रम में क्लब से डॉ. अजय कुमार व मोनिका कौशल विशेष रूप से कार्यक्रम की समाप्ति तक उपस्थित रहे।

# महावीर जयंती के अवसर पर धूमधाम से निकाली गई रथ यात्रा

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। जैन समाज के प्रवक्ता अजय जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कवि नगर गाज़ियाबाद के तत्वावधान में भगवान महावीर जन्म जयंती महोत्सव आज बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कविनगर से एक रथ यात्रा भी निकाली जो कि नेहरू नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस जैन मंदिर कविनगर पहुँची। महावीर जयंती के अवसर पर सुबह जिन अभिषेक, शांति धारा,श्री जिन पूजन, झंडारोहण दीप प्रज्वलन आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इसके बाद लकी ड्रॉ एवं बोलियों के द्वारा खवासी, कुबेर, इन्द्र आदि का चयन किया गया।इस इस बार भी गत वर्ष की भाँति महावीर जयंती पर दो रथ निकाले गए जो विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे।इसमें एक रथ पर बैठने के लिए पात्रों का चयन कूपन के द्वारा किया गया जबकि दूसरे रथ पर बैठने के लिए पात्रों का चयन बोलियों के द्वारा किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कविनगर से निकाली गई रथ यात्रा में अनेकों बैंडबाजे, घोड़े,बग्घी,झाँकियाँ आदि शामिल थे।

इन झांकियों में भगवान पार्श्वनाथ,भगवान महावीर स्वामी और अन्य धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। रथ यात्रा में भारी संख्या में जैन समुदाय के लोग रथ के आगे व पीछे चल रहे थे। रथ यात्रा का नेहरु नगर में दर्जनो जगह भव्य स्वागत स्वागत किया गया एवं रथ यात्रा में चल रहे भक्तों के लिए जलपान व खाने की विशेष व्यवस्था जैन समुदाय के लोगों द्वारा जगह जगह की गई।

यह रथ यात्रा कवि नेहरू नगर के सैकन्ड ए,बी,सी,ई आदि अनेक ब्लॉकों से होती हुई वापस कविनगर जैन मंदिर पहुँची जहाँ पर पॉडुक शिला पर श्री जिनेन्द्र भगवान का पूजन व अभिषेक आदि किया गया उसके बाद श्री जी की प्रतिमा को मन्दिर जी में विराजमान किया गया। इस अवसर पर जम्बू प्रसाद जैन, प्रदीप कुमार जैन कविनगर, अजय जैन पत्रकार, प्रदीप जैन नेहरू नगर,अशोक जैन, धर्मेन्द्र जैन,सुनील जैन, फकीर चंद जैन, आशीष जैन, सुधीर जैन ,प्रदीप जैन सन्मति, सुभाष जैन,ऋषभ जैन, राजेन्द्र जैन,सुखवीर जैन, श्याम किशोर जैन,अनिल जैन,संजय जैन विपिन जैन प्रणब जैन मुकेश जैन सुरेन्द्र जैन सम्यक जैन साधना जैन,पुष्पा जैन,लता जैन,रेखा जैन,शशी जैन आदि का विशेष सहयोग रहा।

# कशिश की घातक गेंदबाजी से जाकिर हुसैन कॉलेज जीता

**चमकता गांव**

नई दिल्ली। मैन ऑफ द मैच कशिश (19 रन पर 5 विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से जाकिर हुसैन कॉलेज ने चौथे श्री गुरु नानक देव इंटर कॉलेज टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट में आरएलए कॉलेज को 9 विकेट से हराया। मेजबान श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, देव नगर, के प्रिंसिपल प्रो. गुरमोहिंदर सिंह ने टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। आरएलए कॉलेज की टीम 16.5 ओवर में 91 रन पर ऑल आउट आउट हो गई। तुषार ने 34 रन बनाए। कशिश ने 19 रन 5 विकेट और अभिन्न ने 2 रन पर 2 विकेट झटके। जवाब में जाकिर हुसैन कॉलेज ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 95 रन बनाकर मैच जीत लिया। हार्दिक ने नाबाद 37और अभिषेक ने नाबाद 31रन बनाए।

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, देव नगर, के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजवंत सिंह ने बताया कि टूनार्मेंट में दिल्ली विश्व विद्यालय के आठ कॉलेजों की टीमें लीग एवं नॉकआउट आधार पर भाग ले रही हैं।

# ऋतु सुहास को विदाई व गंभीर सिंह को समारोहपूर्वक दी बधाई

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। उत्थान समिति के तत्वावधान में एडीएम प्रशासन ऋतु सुहास का विदाई समारोह एवं सिटी मजिस्ट्रेट गंभीर सिंह को पदोन्नत होकर एडीएम सिटी बनाए जाने पर बधाई एंव स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे सीडीओ विक्रमादित्य सिंह मलिक का भी अभिनंदन किया गया। समिति के चेयरमैन एवं पर्यावरणविद सत्येन्द्र सिंह ने इस मौके पर कहा कि एडीएम ऋतु सुहास जैसी अधिकारी हर ज़िले को मिलनी चाहिये जिसके अंदर सबको साथ लेकर कार्य करने की क्षमता हो और प्रतिभा की पहचान कर सके । ऐसी अधिकारी जो रैम्प पर भी वाक करती हैं वहीं बदमाशों को भी सबक सिखाया है। इनको ब्यूटी विद् ब्रेन कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। इनके पति सुहास एल वाई जो गौतमबुद्ध नगर में डीएम थे उन्होंने भी हमारे देश का नाम पैरालंपिक में दुनिया में दूसरे नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में उभर कर रोशन किया। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट से एडीएम के पद पर आए गंभीर सिंह का भी समिति के लोगों ने स्वागत किया। सीडीओ विक्रमादित्य सिंह मलिक का कार्यक्रम में पधारने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर तनुज, धर्मेश, जसमीत सिंह, पूनम, नीलम, शोभा, मेघना बंसल, काजल, वाणी आदि मौजूद रहे।

# डॉ नदीम अहमद के नेतृत्व में महर्षि कश्यप जयंती मनाई

**चमकता गांव**

गाजियाबाद। चिकित्सा प्रकोष्ठ के शहर मंडल संयोजक डॉक्टर नदीम अहमद के नेतृत्व में बुधवार को महर्षि कश्यप जयंती मनाई गई। डॉक्टर नदीम अहमद ने बताया कि नीलकंठ गीता मंदिर छोटा कैला पर महर्षि कश्यप को याद किया गया व भंडारे का वितरण किया गया।

चमकता गांव हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
Title Code : UPHIN50626
स्वामी, मुद्रक तथा प्रकाशक महमूद अली द्वारा नूतन ऑफसेट प्रिंटिंग्र प्रेस 5, मालीवाड़ा, गाजियाबाद से मुद्रित तथा 174, ईदगाह रोड, मंगू मार्केट के सामने, मौहल्ला जाटव, मुरादनगर, गाजियाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक : महमूद अली
मो. नं. : 9643538386